रूस द्वारा कुडनकुलम NPP को उपकरणों का अंतरण

[स्रोत: द हिंदू](#)

रूस ने **कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना (KNNP)** के रिएक्टर 5 एवं 6 के लिये 26 **टरबाइन हॉल पाइपलाइन वाल्व** (उच्च दबाव और निम्न दबाव गेट वाल्व) की पहली खेप भेज दी है।

- उनका मुख्य कार्य **सिस्टम के विश्वसनीय संचालन को सुनिश्चित करने** के लिये **द्रव अथवा गैस प्रवाह को कसकर बंद** करना है।
- वर्तमान में इसके पास 2 x 1,000 मेगावाट क्षमता वाले WWER रिएक्टर हैं जो विद्युत उत्पादन कर रहे हैं तथा समान क्षमता वाले अतिरिक्त 4 रिएक्टर निर्माणाधीन हैं।
    - energy.WWER का अर्थ है **"वाटर-वाटर पावर रिएक्टर"**। ये रिएक्टर ऊर्जा उत्पन्न करने वाली परमाणु प्रतिक्रियाओं के लिये **शीतलक एवं मॉडरेटो दोनों के रूपों में जल का उपयोग** करते हैं।
- **KNNP** का आधुनिकीकरण रूस की रोसाटॉम तथा [न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NPCIL)](#) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है। यह **भारत का सबसे बड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र** है।
    - यह आयातित **PWR** (प्रेशराइज्ड वॉटर रिएक्टर) तकनीक का उपयोग करने वाला **भारत का पहला परमाणु संयंत्र** है।
    - इसका **निर्माण वर्ष 2002** में शुरू हुआ था और **वर्ष 2027** तक इसके पूर्ण क्षमता पर संचालित होने की आशा है।
- वर्ष 2022-23 में देश में कुल विद्युत उत्पादन में परमाणु ऊर्जा की हिस्सेदारी लगभग **2.8%** थी।

भारत में क्रियात्मक परमाणु ऊर्जा संयंत्र

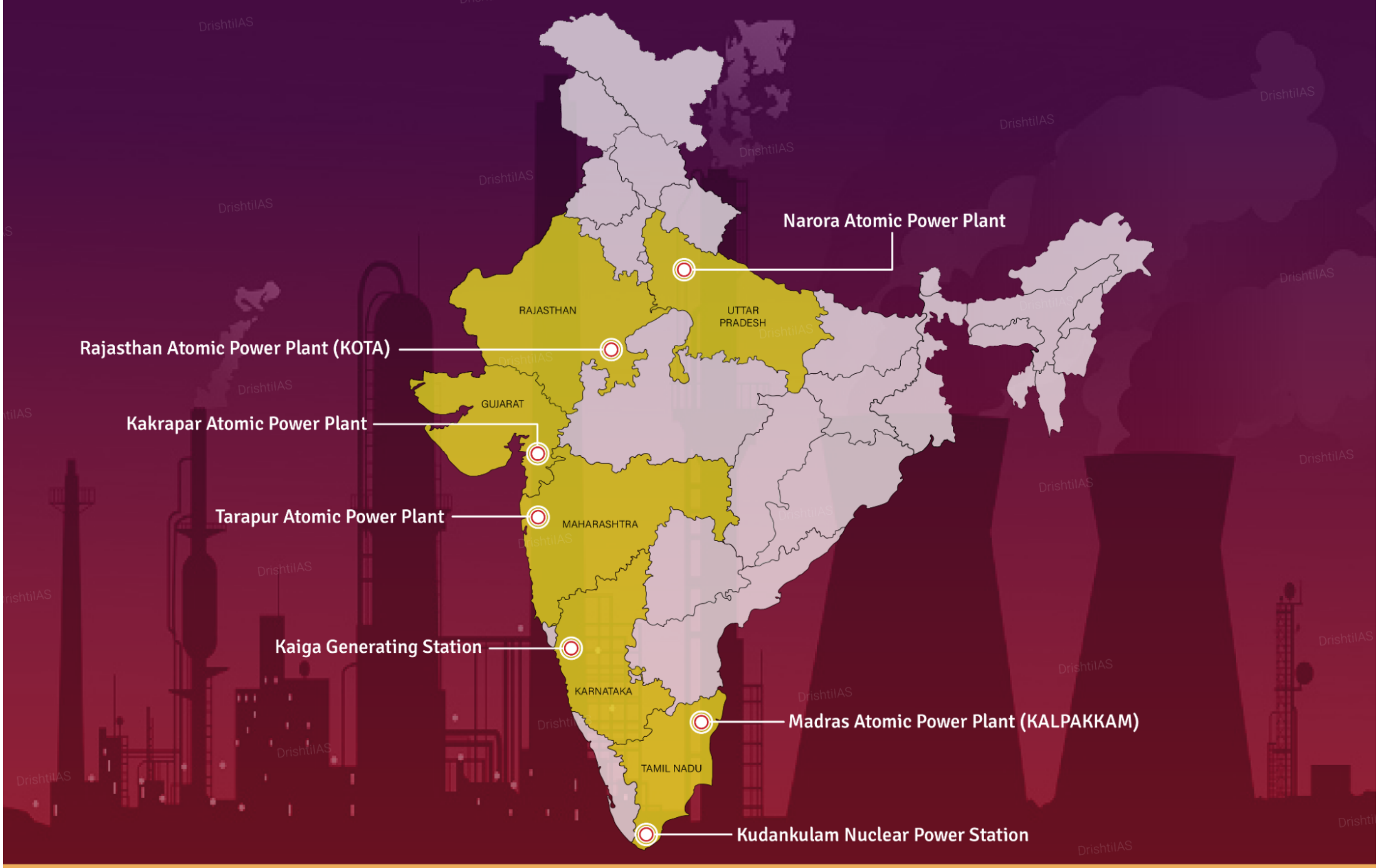

तथ्य

- वर्तमान में, भारत के 6 राज्यों में 6780 मेगावाट इलेक्ट्रिक (MWe) की स्थापित क्षमता के साथ 22 परमाणु ऊर्जा रिएक्टर संचालित हैं।
- परमाणु सुविधाओं की स्थापना व उपयोग और रेडियोधर्मी स्रोतों के उपयोग से **संबंधित गतिविधियाँ भारत में परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 के अनुसार** की जाती हैं।
- परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (AERB) **परमाणु एवं विकिरण सुविधाओं तथा गतिविधियों को नियंत्रित** करता है।
- **नवीनतम और सबसे बड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्रः** कुडनकुलम पावर प्लांट, तमिलनाडु
- **पहला और सबसे पुराना परमाणु ऊर्जा संयंत्रः** तारापुर पावर प्लांट, महाराष्ट्र

Drishti IAS

//

और पढ़ें... [भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमता]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/russia-ships-equipments-to-kudankulam-npp